दो पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ने पर विवाद हिंसक हुआ, पांच गिरफ्तार

बाइक को आग लगाई, प्रेम प्रसंग से जुड़ा विवाद बताया जा रहा है

चाकसू, (निसं)। चाकसू विधानसभा क्षेत्र के शिवदासपुरा थाना क्षेत्र के चंदलाई गांव में गुरुवार सुबह दो पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ने पर विवाद हिंसक हो गया। स्थिति इतनी बिगड़ी कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की मोटरसाइकिल में आग लगा दी। आग लगने के कुछ ही मिनटों में बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

जांच अधिकारी लेखराज मीणा ने बताया कि चंदलाई बस स्टैंड के पास शिव मंदिर के सामने दो पक्षों के बीच मारपीट की खबर मिली थी और एक बाइक को जला दिया गया था। थानाधिकारी सुरेंद्र सैनी पुलिस जाब्ते के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने तक घटनास्थल पर करीब 100-150 लोगों की भीड़ जमा हो चुकी थी। भीड़ का आक्रोश बढ़ता देख पुलिस को दोनों पक्षों को अलग करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की करने की भी कोशिश की, जिसे देखते हुए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद दोनों पक्षों के कई लोगों को मौके से हिरासत में लेकर थाने लाया गया। जली हुई मोटरसाइकिल भी जब्त कर थाने में रखवाई।

पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला कि विवाद के पीछे प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। पूरे मामले की पुष्टि होने पर पुलिस ने केस दर्ज किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक पक्ष से कैलाश शर्मा (30) और दूसरे पक्ष से लालाराम उर्फ लालचंद योगी (50), मदन योगी (25), राजेश योगी (28) और उमेश कुमार (34) को पकड़ा गया है। सभी आरोपी चंदलाई गांव के रहने वाले हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान भी कर रही है।

मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची।

- कुछ लोगों ने पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की करने की भी कोशिश की

अलवर से चोरी हुआ तेजाब से भरा टैंकर हरियाणा में पकड़ा

पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के एनईबी थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात ट्रांसपोर्ट नगर स्थित जीवनधारा हॉस्पिटल के पास से तेजाब से भरा एक टैंकर चोरी हो गया। टैंकर में करीब छह लाख रुपए कीमत का तेजाब भरा हुआ था।

ट्रक ड्राइवर चंचल सिंह ने बताया कि वह कंपनी से तेजाब भरवाकर टैंकर को अपने घर के पास खड़ा कर गया था। उसे सुबह करीब चार बजे टैंकर को लेकर बहरोड़ के पास केसवाणा स्थित एक कंपनी में पहुंचना था, लेकिन जब वह सुबह टैंकर के पास पहुंचा तो पता लगा कि वाहन चोरी हो चुका है। ड्राइवर ने तुरंत ट्रक मालिक को इसकी सूचना दी, जिसके बाद गुरुवार सुबह एनईबी थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। टैंकर में जीपीएस लगा हुआ था, जिसकी लोकेशन हरियाणा के पुन्हाना क्षेत्र में मिली। इस आधार पर अलवर पुलिस ने हरियाणा पुलिस की मदद से वहां से टैंकर को बरामद कर लिया। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया है, हालांकि पुलिस ने अभी उसके नाम का खुलासा नहीं किया है।

जब टैंकर मालिक ने टैंक की जांच की तो पता लगा कि उसमें सिर्फ आधा तेजाब बचा है, जबकि करीब तीन लाख रुपये कीमत का तेजाब गायब है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है कि तेजाब कहां और किसे बेचा गया। पुलिस ने टैंकर को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया है और मामले की आगे जांच जारी है।

- टैंकर में करीब छह लाख रुपए कीमत का तेजाब भरा हुआ था

रामगंजमण्डी में युवक की संदिग्ध मौत

रामगंजमण्डी, (निसं)। शहर में शुक्रवार को युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला प्रकाश में आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता के साथ मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेते हुए मृतक नवनीत सोनी की लाश को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को फरियादी यशंवत सोनी पुत्र मनमोहन सोनी निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रामगंजमण्डी जिला कोटा ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि मैं व मेरा भाई नवनीत सोनी दोनों रामगंजमण्डी में रहते हैं। मेरा भाई नवनीत व उसका लड़का हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रामगंजमण्डी में निवास करते हैं। मेरे भाई के परिवार में भाई की पत्नी कृष्णा सोनी दो लड़कियां नम्रता 5 साल, रिदिमा साढे तीन साल है। गुरुवार को मेरे छोटे भाई की पत्नी कृष्णा सोनी व बच्चियां व मेरी माताजी कोटा शादी में गये थे। घर पर मेरा भाई नवनीत ही था। मेरे पास कोटा से जीजाजी दिनेश सोनी का फोन आया व बताया कि आपके छोटा भाई नवनीत सोनी की मृत्यु हो गई है। मैं कनवास से वापस रामगंजमण्डी आया। मेरे भाई के घर पर गया तो जमीन पर मेरे भाई नवनीत को लेटाया हुआ था। मैंने मेरे भाई को देखा तो मेरे भाई के पूरे शरीर पर जगह-जगह चोटों के निशान थे। जिसमें हाथ, पैर, पीठ, सीना, कुल्हा व मुंह पर सूजन आ रही थी। मेरे भाई की मौत हो गई थी। मैंने पूछा तो लोगों ने बताया कि रात्रि को मेरे भाई नवनीत व उसके मित्र अशोक योगी निवासी रामगंजमण्डी ने रात्रि शराब पी है। इनके साथ गौरव सोनी भी रात्रि में आया था। मुझे शंका है कि अशोक व गौरव ने मेरे भाई के साथ मारपीट कर चोटे पहुंचाई है। मेरे भाई के चोटें लगने के कारण उसकी मौत हो गई है। थाना रामगंजमण्डी पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान राजकुमार उप निरीक्षक द्वारा प्रारम्भ किया गया। प्रकरण में दौराने अनुसंधान मृतक की नवनीत की लाश का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। लाश की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी की गई। घटनास्थल का निरीक्षण एफ.एस.एल. टीम द्वारा किया गया। प्रकरण की घटना में संलिप्त तथा कथित आरोपी गौरव सोनी को पूछताछ के लिये तलब किया गया है।

बांग्लादेशियों को भारत से हटा दें तो देश और वोटर लिस्ट दोनों सुरक्षित : तोगड़िया

जोधपुर, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि देश में तीन करोड़ बांग्लादेशी हैं, जिनको हटाने से मतदाता सूची अपने आप ठीक हो जाएगी। वहीं देश भी सुरक्षित हो जाएगा। तोगड़िया यहां जोधपुर प्रवास के दौरान पत्रकारों से मुखातिब हुए।

डॉ. तोगड़िया ने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची को ठीक करने के लिए चल रही है। यह प्रयास अच्छा है, लेकिन मेरा कहना है कि बांग्लादेशियों को भारत से ही हटा दें तो देश भी सुरक्षित बनेगा और मतदाता सूची खुद ब खुद सुरक्षित हो जाएगी। देश की आंतरिक सुरक्षा पर तोगड़ियाने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल का गला काटना हम भूल नहीं पाए। सभी को इन जेहादी गतिविधियों को रोकने में लगाना चाहिए। जिहादी गतिविधियां पूरे देश में चल रही हैं। पहलगाम और दिल्ली ब्लास्ट इसका उदाहरण है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर कहा कि रूस और भारत के संबंध बहुत पुराने और प्रगाढ़ हैं। डॉ. तोगड़िया ने राजस्थान में बनाए धर्मांतरण कानून सराहा। बोले कि उदयपुर, बांसवाड़ा और हनुमानगढ़ जैसे जिलों में धर्मांतरण का खेल चल रहा है। इसे रोकने को हम भी प्रयासरत हैं। सरकार कानून बनाकर भी इनको रोकें। किसी भी हाल में धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। खासतौर से कानून बनने के बाद उसके प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करना जरूरी है।

तोगड़िया ने कहा कि हम हिंदुओं को जागृत करने और उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हनुमान चालीसा केंद्र गांव, गली व मोहल्ले तक चला रहे हैं। हर मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान चालीसा होता है। इसके अलावा हिंदुओं की स्वास्थ्य जांच के लिए भी हम काम कर रहे हैं, जिससे कि ब्लड प्रेशर, शुगर और हार्ट से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित न हों। शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ धर्म को भी मजबूत करेंगे तो हम विकसित होने की राह पर चलेंगे।

- अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया जोधपुर प्रवास के दौरान पत्रकारों से मुखातिब हुए
- डॉ. तोगड़िया ने राजस्थान में बनाए धर्मांतरण कानून सराहा और कहा कि उदयपुर, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़ जैसे जिलों में धर्मांतरण का खेल चल रहा है

108 एंबुलेंस में महिला ने बच्चे को जन्म दिया

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के थानागाजी के दुहार चौगान में एक महिला ने 108 एम्बुलेंस में ही बच्चे को जन्म दिया। एम्बुलेंस के ईएमटी अमीचंद गुर्जर और ड्राइवर मान सिंह ने प्रसव कराया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं, जिन्हें बाद में थानागाजी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ईएमटी अमीचंद गुर्जर ने बताया कि वे शाम पांच बजे दुहार चौगान में राधा देवी के घर पहुंचे और प्रसूता को लेकर रवाना हुए। लगभग सात मिनट बाद ही महिला ने एम्बुलेंस में बच्चे को जन्म दे दिया। उन्होंने बताया कि जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरिस्का अभयारण्य का सिलीबेरी गेट खोलने की मांग

बिना किसी पूर्व सूचना के गेट बंद कर दिया था

ग्रामीणों ने वन मंत्री संजय शर्मा को ज्ञापन सौंप सिलीबेरी गेट खोलने की मांग की है।

अलवर, (निसं)। मालाखेड़ा क्षेत्र के बालेटा, पृथ्वीपुरा, खारेड़ा और पूनखर सहित लगभग एक दर्जन गांवों के ग्रामीणों ने वन मंत्री संजय शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने सरिस्का अभयारण्य के सिलीबेरी गेट को तुरंत खोलने की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि सरिस्का अभयारण्य क्षेत्र में स्थित श्री पांडुपोल हनुमानजी महाराज मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। दूर-दराज से आने वाले भक्त परंपरागत रूप से सिलीबेरी गेट से होकर ही मंदिर पहुंचते रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में बिना किसी पूर्व सूचना के सिलीबेरी गेट को बंद कर दिया गया है। इस निर्णय से स्थानीय लोगों के आवाजाही, व्यापार, रोजगार और धार्मिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा है। श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए अब लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें परेशानी हो रही है।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग की है कि सिली बेरी गेट को पूर्व की भांति आमजन के लिए तुरंत खोला जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से आवश्यक हो, तो समय निर्धारण या पास सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा सकती हैं। इससे श्रद्धालुओं की सुविधा भी बनी रहेगी और वन विभाग के नियमों का पालन भी सुनिश्चित होगा। ग्रामीणों ने पांडुपोल मंदिर रास्ते पर मूलभूत सुविधाएं और यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की भी मांग की। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि वन मंत्री के हस्तक्षेप से हजारों स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं की समस्या का समाधान होगा।

- गेट को बंद होने से स्थानीय लोगों के आवाजाही, व्यापार, रोजगार और धार्मिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा है
- बालेटा, पृथ्वीपुरा, खारेड़ा और पूनखर सहित कई गांवों के ग्रामीणों ने वन मंत्री को ज्ञापन सौंपा

लाखों का माल हड़पा, मामला दर्ज

उदयपुर, (का.सं.)। शहर के हाथीपोल थाना पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ लाखों का माल हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित मो. शादाब खां पुत्र अब्दुल लतीफ निवासी अलीपुरा ने आरोपी फिरोज खां पुत्र मेहमूद खां निवासी मंसुरी हाउस रजा कॉलोनी अम्बामाता के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी के साथ हिस्सेदारी में राजस्थान ट्राईबल आर्ट के नाम से हैण्डीक्राफ्ट का काम करता था। कुछ समय बाद काम करना बंद कर दिया। इस दौरान आरोपी 13 दिसंबर 18 को 20 लाख रूपये का माल ट्रक में भर कर हेण्डीक्राफ्ट शोरूम आबूरोड़ ले जाकर खाली कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

- 20 लाख का माल ट्रक में भर कर हेण्डीक्राफ्ट शोरूम आबूरोड़ ले जाकर खाली किया

मोटर गैराज में आग लगाने वाला मास्टर माइंड गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। पुलिस ने 29 नवंबर की रात को चूरू बाईपास पर गैराज फूंकने वाले बदमाश अनिल कुमावत उर्फ हांडिया को गिरफ्तार कर लिया है। अनिल कुमावत उर्फ हांडिया को मोडा पहाड़ इलाके से गिरफ्तार किया है। वह महिलाओं के कपड़े पहनकर फरारी काट रहा था और मोडा पहाड़ के गड्ढों में छुपा हुआ था, जो अपनी पत्नी से मिलने आया तो पुलिस ने उसे धर दबोचा।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि 29 नवंबर की रात को चूरू बाईपास स्थित मन्नत मोटर्स के गैराज में खड़ी 18 गाडियों को पेट्रोल डालकर आग लगाने का मास्टर माइंड अनिल कुमावत उर्फ हांडिया था, जिसने ही अपने अन्य साथियों के साथ पूरा का पूरा गैराज फूंक डाला। इस मामले में पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। वहीं दो नाबालिगों को भी निरूद्ध किया गया था। इस मामले के मास्टर माइंड अनिल कुमावत उर्फ हांडिया की तलाश में टीमों ने अनिल कुमावत के संभावित ठिकानों झुंझुनूं शहर, बगड, चिडावा, पिलानी, सिंघाना, खेतड़ी, गुढा, उदयपुरवाटी, नवलगढ़, मुकुन्दगढ़, सीकर, जयपुर में दबिशें दी थी। इसी दौरान दो दिन पहले तीन दिसंबर को पुलिस को सूचना मिली कि अनिल कुमावत उर्फ हांडिया मोडा पहाड़ में महिलाओं के कपडे पहने हुए गड्ढों में छुपा हुआ है, जो आधी रात को पुलिस से छुपकर अपनी पत्नी से मिलने घर जाएगा। पुलिस ने सूचना पर मोडा पहाड़ में तलाश शुरू की। इस दौरान एक गड्ढे में अनिल कुमावत महिलाओं के कपडे में दिखाई दिया। जिसे घेराबंदी कर पकड़ने की कोशिश की तो वह भागने लगा और पहाड़ में ही बने दूसरे गड्ढे में जा गिरा। जिससे उसका पैर टूट गया। पुलिस ने पहले उसका इलाज करवाया और पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार शाम को मौका तस्दीक के लिए अनिल कुमावत को पैदल ही मन्नत मोटर्स ले जाया गया, जहां पर उसने मौका तस्दीक किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने पुलिस के जिंदाबाद के नारे लगाए और शहर कोतवाल श्रवण कुमार, जांच अधिकारी एसआई रामनिवास और अन्य पुलिसकर्मियों का माला पहनाकर स्वागत किया। वहीं बदमाश अनिल कुमावत भी कान पकडे हुए नजर आए। पूरे रास्ते वह कान पकड़े रहा और मुझसे गलती हो गई। आगे नहीं करूंगा। अपराध मत करो। बोलता सुनाई दिया।

बदमाश अनिल कुमावत उर्फ हांडिया।

- महिलाओं के कपड़े पहनकर फरारी काट रहा था और मोडा पहाड़ के गड्ढों में छुपा हुआ था

श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की रिट याचिका निस्तारित

जोधपुर, (कासं)। श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से दायर रिट याचिका का राजस्थान हाईकोर्ट ने निस्तारित कर दिया है। आरसीए की ओर से बताया गया कि ओम्बड्समैन (लोकपाल) की नियुक्ति होने के बाद याचिका का औचित्य समाप्त हो गया है।

जस्टिस डॉ. नूपुर भाटी की कोर्ट में श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ के सचिव विनोद सहारण की ओर से दायर इस याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान आरसीए (एडहॉक कमेटी) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सचिन आचार्य ने पक्ष रखा।

आरसीए की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट डॉ. आचार्य ने कोर्ट को बताया कि याचिका लंबित रहने के दौरान ही दो अक्टूबर के आदेश के तहत नए लोकपाल की नियुक्ति की जा चुकी है। उन्होंने तर्क दिया कि इस नियुक्ति के बाद याचिकाकर्ता की शिकायतों का निवारण हो गया है, इसलिए अब याचिका में सुनवाई के लिए कोई कॉज ऑफ एक्शन (वाद का कारण) शेष नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील इस दलील का विरोध नहीं कर सके। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर दर्ज किया कि याचिकाकर्ता पक्ष प्रतिवादियों की इस दलील को नकारने की स्थिति में नहीं है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि चूंकि नए लोकपाल की नियुक्ति के बाद अब इस रिट में किसी तरह का विवाद शेष नहीं रह गया है। इसलिए इस पर आगे विचार करने की आवश्यकता नहीं है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अब कुछ भी निर्णय करने के लिए बाकी नहीं है, इसलिए रिट याचिका को इसी आधार पर निस्तारित किया जाता है। इस तरह श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट एसोसिएशन और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के एडहॉक कमेटी के बीच लोकपाल से जुड़ा विवाद कोर्ट की तरफ से औपचारिक रूप से समाप्त मान लिया गया।

वृद्धा से 25 लाख रुपए व 14 तोला सोना हड़पा

अलवर, (निसं)। अलवर में बुजुर्ग महिला से उसके देवर के बेटे ने ही 25 लाख रुपए और करीब 14 तोला सोना हड़प लिया। महिला घर में अकेली रहती है। एक बेटा है, जो बाहर रहता है। इसका फायदा उठाकर आरोपी ने रुपए-गहने हड़प लिए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला अलवर कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

कोतवाली थाने के विजेंद्र सिंह ने बताया कि परिवादी शिवपुरा केड़लगंज की रहने वाली चंद्रकांता शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि उसका देवर का लड़का चेतन शर्मा उसके पास रहता था। उसने झांसे में लेकर बैंक ले जाकर फर्जीवाड़ा कर उसके खाते से 25 लाख रुपए निकाल लिए। इसके अलावा घर के अंदर से 14 लाख रुपए का सोना लेकर पार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की। इसके बाद आरोपी चेतन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

- पुलिस ने महिला के देवर के बेटे को गिरफ्तार किया
- महिला अकेली रहती है, एक बेटा बाहर रहता है

हाईकोर्ट : आरक्षित वर्ग अभ्यर्थी के ज्यादा अंक तो जनरल में चयन

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मेरिट माइग्रेशन के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस फरजद अली ने अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में स्पष्ट किया कि यदि आरक्षित वर्ग का कोई उम्मीदवार बिना किसी छूट (जैसे आयु या योग्यता) का लाभ लिए सामान्य वर्ग के कट ऑफ से ज्यादा अंक हासिल करता है, तो उसे सामान्य वर्ग में ही चयनित माना जाएगा। कोर्ट ने जोधपुर निवासी याचिकाकर्ता कीर्ति चौधरी की साल 2018 से लंबित याचिका को स्वीकार करते हुए उन्हें छह सप्ताह में जूनियर हाइड्रो जियोलॉजिस्ट पद पर नियुक्ति देने का आदेश दिया है।

मामला आरपीएससी की ओर से साल 2014 में विज्ञापित जूनियर हाइड्रो जियोलॉजिस्ट भर्ती से जुड़ा है, जिसका परिणाम 18 जनवरी 2018 को जारी हुआ था। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि ओबीसी (महिला) वर्ग की अभ्यर्थी दीप्ति कलाल ने 61 अंक प्राप्त किए थे, जबकि सामान्य (महिला) वर्ग की कट ऑफ 58 अंक थी। इसके बावजूद आरपीएससी ने दीप्ति कलाल को ओबीसी वर्ग में ही चयनित माना। वकील ने तर्क दिया कि चूंकि दीप्ति ने फीस के अलावा किसी अन्य छूट का लाभ नहीं लिया और उनके अंक जनरल कट ऑफ से ज्यादा हैं, इसलिए उन्हें जनरल कैटेगरी में शिफ्ट किया जाना चाहिए था। यदि ऐसा होता, तो ओबीसी वर्ग की सीट खाली होती और वेटिंग लिस्ट में नंबर-1 पर मौजूद कीर्ति चौधरी (56 अंक) का चयन हो जाता।

सुनवाई के दौरान आरपीएससी और सरकार की ओर से वकील ने 26 जुलाई 2017 के सर्कुलर का हवाला देते हुए याचिका का विरोध किया। सरकारी वकील ने तर्क दिया कि दीप्ति कलाल ने लिखित परीक्षा (स्क्रीनिंग टेस्ट) में जनरल कैटेगरी के कट ऑफ से कम अंक प्राप्त किए थे, इसलिए उन्हें रिजर्व कैटेगरी में रखा गया, भले ही इंटरव्यू के बाद उनके फाइनल मार्क्स ज्यादा थे। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया।

कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा कि फाइनल मेरिट ही प्रासंगिक है। जब ओबीसी उम्मीदवार ने जनरल उम्मीदवार (58) से अधिक अंक (61) प्राप्त किए, तो उसे जनरल कैटेगरी में रखना उत्तरदाताओं का कर्तव्य था। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि प्रशासनिक चूक संवैधानिक समानता को पराजित नहीं कर सकती। कोर्ट ने माना कि वर्ष 2017 का सर्कुलर संवैधानिक सिद्धांतों और बाध्यकारी नजीरों से ऊपर नहीं हो सकता। कोर्ट ने आरपीएससी और भू-जल विभाग को निर्देश दिया कि परिणाम को संशोधित मानकर कीर्ति चौधरी को ओबीसी (महिला) वर्ग में नियुक्ति दी जाए। यह प्रक्रिया छह सप्ताह में पूरी करनी होगी। याचिकाकर्ता को बैक वेजेस (पुरानी तनख्वाह) नहीं मिलेगी, लेकिन उनकी वरिष्ठता उनके जूनियर की नियुक्ति की तारीख से ही मानी जाएगी।

- कोर्ट ने जोधपुर निवासी याचिकाकर्ता कीर्ति चौधरी की साल 2018 से लंबित याचिका को स्वीकार किया
- राजस्थान हाईकोर्ट ने छह सप्ताह में जूनियर हाइड्रो जियोलॉजिस्ट पद पर नियुक्ति देने का आदेश दिया

ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तहत विचारित सूची में सम्मिलित 5 विषयों के ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं किए हैं, को इस संबंध में अवसर दिया गया है। इसके तहत इतिहास, जीव विज्ञान एवं वाणिज्य विषय के अभ्यर्थियों को अंतिम तथा भौतिकी एवं अर्थशास्त्र विषय के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का अतिरिक्त अवसर प्रदान किया गया है। इतिहास, जीव विज्ञान एवं वाणिज्य विषय के अभ्यर्थी 6 से 8 दिसंबर की रात्रि 11:59 बजे तक अपना ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। भौतिकी एवं अर्थशास्त्र विषयों के अभ्यर्थी 6 से 10 दिसंबर की रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे।

सीएमएचओ ने टीबी क्लिनिक का औचक निरीक्षण किया

बूँदी, (निसं)। शुक्रवार को सीएमएचओ डॉ. ओ.पी. सामर ने अपने नियमित रूप से जारी गहन निरीक्षण अभियान के तहत ब्लॉक के साथ जिला स्तर की प्रमुख स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की भी व्यापक समीक्षा की। इसी क्रम में वे जिला टीबी क्लिनिक पहुंचे, जहां उन्होंने टीबी जांच व्यवस्था, निक्षय मित्र योजना, निक्षय पोषण कार्यक्रम तथा सिलिकोसिस रोगियों की प्रगति रिपोर्ट की जांच की।

डॉ. सामर ने प्रभारी चिकित्सक डॉ. कुलदीप मीणा से हैंड-होल्डिंग एक्स-रे मशीन, डिजिटल एक्स-रे रिपोर्टिंग सिस्टम की कार्यप्रणाली, रिपोर्टिंग प्रक्रिया, मशीन की संवेदनशीलता तथा रिकॉर्ड संधारण के बारे में विशेष रूप से जानकारी ली। उन्होंने रिपोर्टिंग को समयबद्ध, सटीक और मरीज-हितैषी बनाने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर डॉ. सामर ने टीबी रोगियों को व्यक्तिगत रूप से प्रोत्साहित करते हुए पोषण सामग्री का वितरण भी किया, ताकि उपचार अवधि में उन्हें बेहतर पोषण सहायता मिल सके। सीएमएचओ ने स्टाफ को निर्देश दिए कि टीबी व सिलिकोसिस रोगियों की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए, डिजिटल रिपोर्टिंग को बेहतर क्वालिटी के साथ समय पर अपलोड किया जाए, हर मरीज तक सरकार की योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ पहुँचे।